प्लेग प्रतिबन्धक उपाय

जिस में

प्लेग से सुरक्षित रहने के उपाय, आदि पर गूढ़
और विद्वत्ता पूर्ण व्याख्या की गई है ॥

जिसको

कविविनोद वैद्यभूषण पण्डित
ठाकुरदत्त शर्म्मा वैद्य

मालिक

"अमृतधारा" औषधालय तथा सम्पादक
वैद्यकपत्र 'देशोपकारक' और अनेक वैद्यक
पुस्तकों के रचियता ने लिखा

और

देशोपकारक औषधालय के कार्य कर्त्ताओं
ने छपवाकर प्रकाशित किया

औषधि या पुस्तक के मिलने के वास्ते पत्र तथा तार
का पता केवल इतना हैः--

"अमृतधारा" लाहौर ॥

अमृत प्रेस रलवे रोड लाहौर में छपी ।